कलेक्टर ने पेयजल समस्याओं के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर जिले में पेयजल समस्या की दृष्टि से जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर सागर स्मार्ट सिटी कार्यालय सागर दूरभाष 07582-242807, 242808 तत्काल प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई सागर के कार्यालय महाप्रबंधक गौरव सिंघई ने बताया कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जिनमें प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक केके मिश्रा मो. 9713333349, पुष्पेंद्र कौशिक मो. 9630900109 तथा दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक अनुज बाजपेई मो. 8770068117 एवं वीरेन्द्र शर्मा मो. 7089813922 की ड्यूटी लगाई गई है।

टाईगर रिजर्वः देश का पहला वाइल्ड लाइफ एरिया जहां बाघ, तेंदुए संग होगी चीते की बसाहट

सतीश पाठक सागर

सागर के नौरादेही (वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व) में चीतों की बसाहट की 15 साल पुरानी संकल्पना साकार होने जा रही है। भारतीय वन्यजीव संस्थान(डब्ल्यूआईआई) देहरादून ने चीते की बसाहट के लिए दो नए स्थान चिन्हित किए हैं। उनमें गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व के अलावा सागर के इस टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया है।

डब्ल्यूआईआई भारत के चीता प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी भी है। माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यहां चीतों की शिफ्टिंग हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्डलाइफ एरिया होगा। जहां बिग केट फेमिली के तीन सदस्य एक साथ देखने मिलेंगे। अभी रिजर्व में टाइगर और तेंदुए की बसाहट है। चीतों के आने से इस परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी। यहां बता दें कि देश में चीतों की बसाहट के लिए डब्ल्यूआईआई ने देश में सबसे पहले सागर के इस टाइगर रिजर्व को चिन्हित किया था। वर्ष 2010 में यहां सर्वे किया गया था। जिसमें रिजर्व की तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण(एनटीसीए) के डीआईजी डॉ. वीबी माथुर और डब्ल्यूआईआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की उक्त तीनों रेंज मुहली, झापन और सिंहपुर का दो दिन तक मैदानी मुआयना किया। जानकारों के अनुसार यह तीनों रेंज चीता की बसाहट के लिए आदर्श स्थान हैं। यहां लंबे-लंबे मैदान हैं। जिनमें यह जीव दौड़-दौड़कर शिकार कर सकेगा। इन तीनों रेंज का क्षेत्रफल करीब 600 वर्गकिमी है। जबकि रिजर्व का संपूर्ण क्षेत्रफल 2339 किमी है।

देश-दुनिया के लिए पहला प्रयोग, जहां चीता-टाइगर साथ रहेंगे जैसे कि पहले ही बताया जा चुका है कि टाइगर रिजर्व अब मुख्य रूप से बाघों का बसेरा बन चुका है। ऐसे में वन्य जीव विशेषज्ञों द्वारा अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि टाइगर की बसाहट के बाद क्या यहां चीता को लाया जा सकता है। क्या वे यहां जीवित रह पाएंगे। इसके जवाब में दूसरे वन्य जीव शास्त्रियों का कहना है कि यह संभव है। क्योंकि चीता, तेंदुए और बाघ के शिकार का तरीका और उनके टारगेटेड जीव-जंतु अलग-अलग होते हैं। बाघ जहां नीलगाय, भैंसा, हिरण प्रजाति के छोटे-बड़े जानवर का शिकार करता है। वहीं तेंदुए मध्यम श्रेणी के जानवर जैसे जंगली सुअर, हिरण, नीलगाय, भैंसा के बच्चों का शिकार करता है। जबकि चीता छोटी साइज के हिरण जैसे चीतल, काला हिरण और खरगोश सरीखे जानवरों का शिकार करता है। अब रही इन तीनों जानवरों के आमने-सामने आने की बात तो चीता, सदैव बाघ व तेंदुए से दूरी बनाए रखता है। यह ठीक उसी तरह से संभव है, जिस तरह से बाघ के साथ तेंदुए भी सर्वाइव कर लेते हैं।

चीतों की बसाहट देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोजेक्ट्स में से एक है। ऐसे में इन जीवों की बसाहट से ज्यादा आवश्यक उनकी सुरक्षा व संरक्षण होगा। इस लिहाज से वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में एक कमी यहां कई गांवों का विस्थापन शेष रह जाना है। इनमें सबसे बड़ा गांव मुहली है। जहां की आबादी करीब 1500 लोग हैं। इसके अलावा बाकी दो रेंज झापन और सिंहपुर में भी कुछ गांव हैं। जहां से लोगों को विस्थापित करने के लिए शासन को करीब 200 करोड़ रुपए व्यय करना होंगे।

मप्र से ही लुप्त हुआ था चीता, तीन और देशों से आएंगे आजादी के पहले तक भारत में चीतों की बसाहट मप्र से दिल्ली होते हुए पंजाब तक रही है। लगातार शिकार के चलते यह जानवर आखिर में मप्र में सिमट गया लेकिन यहां भी ज्यादा समय तक नहीं बच पाया। आजादी के चंद वर्ष बाद सन् 1952 में अविभाजित मप्र के आदिवासी क्षेत्र कोरिया के राजा ने आखिरी चीता भी मार दिया। इसके बाद करीब 75 साल बाद देश में चीता की वापसी हुई। एक जानकारी के अनुसार चीता के संरक्षण के लिए काम कर रहे दक्षिण अफ्रीका के पापुलेशन इनीशिएटिव चीता मेटा पापुलेशन प्रोजेक्ट के माध्यम से नामीबिया, बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका से कुछ और चीते भारत लाए जाएंगे।

खास-खबरें

मकरोनिया के बनर्जी परिवार ने किया लगातार दसवीं बार सपरिवार रक्तदान

सागर। फार्मास्युटिकल व्यवसायी चंदन बनर्जी का परिवार इस रक्तदान शिविर की वर्ष भर प्रतीक्षा करता है। उनके रक्तदान का यह दसवां वर्ष है। पत्नी बबीता बनर्जी शैलेष मेमोरियल स्कूल में शिक्षिका हैं, पुत्र अभिषेक बनर्जी पुणे में साफ्टवेयर इंजीनियर हैं जिन्होंने मई महीने के इस सप्ताह को अपने ट्रेवल शेड्यूल में शामिल कर लिया है ताकि हर साल मां पिता के साथ दीपाली परिसर में रक्तदान कर सकें। श्रीमती बबीता बनर्जी ने कहा कि अपना रक्त देकर हम किसी और के काम आ रहे हैं, किसी की जान बचा रहे हैं यही प्रेरणा है। ... बनर्जी परिवार ने रक्तदान शिविर के दूसरे दिन रक्तदान किया।

तिरंगा यात्राः ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित, वीर जवानों को श्रद्धांजलि

सागर। सागर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जो ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता और भारतीय सेना के अदम्य शौर्य को समर्पित रही। इस तिरंगा यात्रा में सहभागिता कर उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर देश का मस्तक ऊंचा किया। सांसद डॉ. लता वानखेड़े जी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति, वीरता और राष्ट्र के प्रति सम्मान का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों की ओर से भारतीय सेना और आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए हृदय से अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, विधायक शैलेंद्र जैन, विधायक प्रदीप लारिया, विधायक वीरेंद्र सिंह लंबरदार, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, महापौर संगीता तिवारी, जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) रानी कुशवाहा सहित समस्त जनप्रतिनिधि नागरिक उपस्थित रहे।

पुनः परीक्षा का संशोधित टाइम टेबिल जारी, कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की परीक्षाएं दो जून से

सागर। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की पुन: परीक्षा सत्र 2024-25 का संशोधित टाइम टेबिल जारी किया गया है जिसके अनुसार परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा।

जारी संशोधित परीक्षा टाइम टेबिल के अनुसार कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की पुन: परीक्षाएं नियत तिथि को निर्धारित परीक्षा केन्द्रो पर प्रात: दस बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

कक्षा पांचवीं की पुन: परीक्षा संशोधित समय सारणी तदानुसार सोमवार दो जून को प्रथम भाषा हिन्दी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी), अंग्रेजी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी), उर्दू, मराठी विषय की परीक्षा आयोजित की गई है। मंगलवार तीन जून को गणित अथवा संगीत (दृष्टिबाधितो हेतु), बुधवार चार जून को पर्यावरण अध्ययन, गुरूवार पांच जून को द्वितीय भाषा अंग्रेजी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी) (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी, उर्दू, मराठी है) अथवा हिन्दी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी) (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है), शुक्रवार छह जून को अतिरिक्त भाषा हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी विषय की परीक्षा प्रात: 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की गई है।

कक्षा आठवीं की पुन: परीक्षा संशोधित समय सारणी तदानुसार सोमवार दो जून को प्रथम भाषा हिन्दी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी), अंग्रेजी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी), उर्दू, मराठी विषय की परीक्षा आयोजित की गई है। मंगलवार तीन जून को गणित अथवा संगीत (दृष्टिबाधितो हेतु), बुधवार चार जून को विज्ञान, गुरूवार पांच जून को सामाजिक विज्ञान, शुक्रवार छह जून को द्वितीय भाषा अंग्रेजी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी) (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी, उर्दू, मराठी है) अथवा हिन्दी (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी) (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है), सोमवार नौ जून की प्रात: दस बजे से तृतीय भाषा संस्कृत (एससीईआरटी), (एनसीईआरटी) हिन्दी, उर्दू, मराठी, उड़िया, पंजाबी, गुजराती विषय की परीक्षा प्रात: 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की गई है।

हीट स्ट्रोक के प्रकोप से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

सागर

कलेक्टर संदीप जी आर ने जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान तापमान औसत से अधिक होने की संभावना है। इसके कारण अधिकांश भागों में लू (तापघात) हीट स्ट्रोक की की स्थिति निर्मित हो सकती है। जिले में संभावित लू के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुए इससे होने वाली क्षति को कम करने के लिए जिला स्तर पर जन समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के लिए आवश्यक सुझाव तथा निर्देश जारी किये है।

सीएमएचओ डॉ ममता तिमोरी ने हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं को निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशानुसार जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि लू के प्रबंधन के सभी उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। बाह्य रोगी कक्ष में बैठने की उचित व्यवस्था के साथ ही ठंडे जल की व्यवस्था सुनिश्चित किया करने के लिए कहा गया है।

हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय: हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ठंडे पानी और कूलर की सहायता से शरीर का तापमान नियंत्रित करें। ढीले सूती कपड़े पहने। प्रभाव को कम करने के लिए विशेष प्रकार के सनस्क्रीन लोशन का प्रयोग करें। जितना संभव हो सके त्वचा को साफ और शुष्क बना कर रखें, इससे संक्रमण की संभावना कम होती है। घर से बाहर जाते समय पीने का पानी साथ में लेकर जाए। अगर तेज धूप में थे तो एकदम से ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

यात्री बसों में आपातकालीन द्वार के सामने लगी सीटें हटवाकर जप्त की आरटीओ ने

सागर। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज कुमार तेहनगुरिया ने बताया कि कलेक्टर श्री संदीप जीएआरण् द्वारा स्कूल बस एवं यात्री बसों की चैकिंग संबंधी कार्यवाही किये जाने हेतु दिये गये निर्देश के अनुक्रम में कार्यालय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारीए सागर के सभाकक्ष में यात्री बसध्स्कूल बस संचालकों की बैठक आयोजित की गई। यात्री बसों की चैकिंग के दौरान जो कमियां देखने में आ रही थीए उन कमियों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए। जिनमें मुख्यत: आपातकालीन द्वार का भलीभांति नहीं खुलनाए आपातकालीन द्वार पर सीट लगा होना तथा चालकध्परिचालक का वर्दी में न होना के संबंध में निर्देशित किया गया था। समस्त बस संचालकों द्वारा इस पर अपनी सहमति दी गई थी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारीए सागर द्वारा प्रवर्तन अमले एवं प्रभारी निरीक्षक यातायातए सागर के साथ सिविल लाईन चैराहे के निकट यात्री वाहनों को चैक किया गयाए जिनमें से 06 यात्री बसों में आपातकालीन द्वार पर सीट लगी पाई जाने पर उन्हें मौके पर निकलवाकर जप्त कर कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया ताकि वाहनस्वामी पुन: इन सीटो को इमरजेंसी गेट के सामने न लगा सके। मोटरयान अधिनियम के तहत यात्री वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से रद्द किया गया है। उक्त यानों के संबंध में प्रदान किया गया कोई परमिट भी उस समय तक निलंबित समझा जायेगा जब तक कि नवीन फिटनेस प्रमाण पत्र अभिप्राप्त नहीं कर लिया जाता है। चैकिंग कार्यवाही की जानकारी लगते ही यात्री वाहनों ने अपना मार्ग बदल लियाए और कुछ ही समय में यात्री बसों का आना.जाना बंद हो गया।

रात भर चलता रहा कव्वालियों और गजलों का मुकाबला. तालियों की गूंज ने बढ़ाया पार्टियों का हौसला

पीली कोठी वाले बाबा के 75 वें उर्स के दूसरे दिन कव्वाली कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन, बड़ी संख्या में जुटे लोग

सागर

सर्व धर्म कौमी एकता के प्रतीक कुतुब हजरत सैयद दाऊद मक्की चिश्ती साबरी रह.अलैह पीली कोठी वाले बाबा के 75 वें तीन दिवसीय सालाना उर्स के दूसरे दिन शनिवार को कब्बाली प्रोग्राम का उद्घाटन मुख्य अतिथिगण,उद्घाटनकर्ता, विशेष आमंत्रित अतिथिगणों के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया तदोपरान्त दरगाह प्रबन्ध कमेटी एवं उर्स कमेटी के द्वारा अतिथिगणों का फूल मालाओं,शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। पीली कोठी वालें बाबा के सालाना उर्स के आयोजक एवं पार्षद अब्दुल नईम खान ने बताया कि कब्बाली

प्रोग्राम के उद्घाटन कार्यक्रम उपरांत हिंदुस्तान के मशहूर फनकार गुलाम बारिश कब्बाल पार्टी और शीबा परवीन कब्बाला पार्टी ने तमाम रात कव्वाली एवं गजलों की शानदार प्रस्तुति दी जिसे सुनने के लिए लोग रात भर उर्स के मैदान पर डटे रहे और जमकर झूमते रहे। दूर-दूर से आए लोगों ने बाबा की दरगाह में पहुंचकर मत्था टेका और फिर कव्वालियों के साथ-साथ उर्स मेले का भी आनंद लिया।उर्स के मौके पर की गई आकर्षक विद्युत सजावट आकर्षण का केंद्र रही। उर्स के अवसर पर बाबा की दरगाह पर फातिहा के साथ नाते पाक,सलाम पेश किया जाकर देश की एकता और अखण्डता,अमन,चैन की दुआ की गई एवं तबर्रुख प्रसादि का वितरण किया गया ।उर्स आयोजक श्री खान ने बताया कि पीली कोठी वाले बाबा के सालाना उर्स के तीसरे दिन आज रविवार को भी तमाम रात हिंदुस्तान के मशहूर फनकार मुराद आतिश कब्बाल पार्टी और शाहीन शबा कब्बाला पार्टी के बीच कव्वाली एवं गजलों का मुकाबला होगा।इस अवसर पर धामौनी दरगाह प्रबंध कमेटी एवं उर्स कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में बाबा के श्रद्धालु मौजूद थे।

आगजनी की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए टिंबर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

अवैधानिक आरा मशीनों को नगर निगम सीमा से बाहर करने की कार्रवाई होगी प्रस्तावितः निगम आयुक्त

सागर

नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नगर निगम क्षेत्र में स्थित लकड़ी के टालों में हो रही आगजनी की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए टिंबर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि शहर में जितने भी लकड़ी के टाल हैं उनको फायर सुरक्षा के इंतजाम करना आवश्यक है अन्यथा कि स्थिति में संबंधित लकड़ी टाल संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। उन्होंने फायर प्रभारी शईद उद्दीन कुरैशी को निर्देश दिए कि नगर निगम सीमा क्षेत्र के सभी लकड़ी के टाल

संचालकों को नोटिस जारी कर फायर सेफ्टी आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किए जाएं। निगमायुक्त ने बैठक में शहर में घनी आबादी के बीच स्थित लकड़ी के टालों को सुरक्षित करने के संबंध में भी टिम्बर व्यापारियों से चर्चा की । उन्होंने कहा कि जिन टिम्बर व्यापारियों के पास फायर सेफ्टी उपकरण नहीं होंगे उन्हें अपने लकड़ी के टालों को शहर से बाहर शिफ्ट करना होंगे अन्यथा संबंधित टिंबर व्यापारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जावेगी। बैठक में उपायुक्त एसएस बघेल , फायर प्रभारी शईद उद्दीन कुरैशी, नगर निगम के इंजीनियर, राजस्व अधिकारी एवं टिंबर एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय भूषण,सचिव राजकुमार कोरी, सह सचिव विजय कुमार पटेल मीडिया प्रभारी, नीरज शर्मा सहित टिंबर एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

टिंबर एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय भूषण, सचिव राजकुमार कोरी, सहसचिव विजय कुमार पटेल, मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा को नोटिस जारी कर 3 दिवस में फायर सुरक्षा प्लान, फायर सुरक्षा प्रमाण पत्र, फायर सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट नगर निगम में पंजीकृत कंसल्टेंट द्वारा जारी, संस्थान को वन विभाग द्वारा जारी लाइसेंस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम द्वारा जारी नोटिस में लेख किया गया है कि समयावधि में उक्त दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर सक्षम अधिकारी को आपके संस्थान का लायसेंस निरस्त करने हेतु कार्रवाई प्रस्तावित कर अवैधानिक आरा मशीन को नगर निगम सीमा क्षेत्र से बाहर करने की कार्रवाई प्रस्तावित की जावेगी।